

५

ଅନ୍ତର୍ଜାଲ ପରିଷକ୍ଷଣା ଅନ୍ତର୍ଜାଲ ପରିଷକ୍ଷଣା

५०

五

藏文：༄༅ ། བ ད ས ར མ ཉ ག ང

ॐ एकाग्रीभिर्गृभ्यस्तम्भिष्ठृवृष्टं कुरु पता ॥ ॐ क्षेत्रे वृष्टिवृष्टिवृद्धिवृद्धिपृथग्नु

۲۷۰

ऐक्षु के दृष्टिकोण में यह अनुरूप है।

51

藏文